This Question Paper contains 4 printed pages.

Seat No.: | | | | | | | |

Sl. No. : 116696

002 (H)

(March, 2019)

Time : 3 Hours] ***[Maximum Marks : 100***

सूचनाएँ :

1) **इस प्रश्नपत्र में कुल चार विभाग (अ, ब, स, द) हैं और (41) प्रश्न हैं।**

2) **सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। सूचनानुसार उत्तर लिखें।**

3) **उत्तरपत्रिका में शुद्ध वाक्यरचना, उचित भाषा शैली एवं लेखन में स्वच्छता आवश्यक है।**

4) **प्रश्नों के दाहिनी ओर पूर्ण गुणांक दिए गए हैं।**

विभाग - अ

■ **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक वाक्य में लिखिए :** **[4]**

1) मँगतू किस कला में निपुण था?

2) वज्र किससे बना था?

3) कौन-से कर्म स्त्री के बिना अपूर्ण हैं?

4) अंग्रेज सरकार ने किसे और क्या उपाधि दी?

■ **निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर दो-तीन वाक्यों में लिखिए :** **[2]**

5) प्रकृति के संतुलन के लिए क्या करना चाहिए?

■ **निम्नलिखित वाक्यों की पूर्ति योग्य विकल्प द्वारा कीजिए :** **[3]**

6) आचार्यजी की उम्र लगभग -------- वर्ष थी।

(A) उनचास (B) चालीस

(C) पचास (D) पैंतालीस

7) 'मुर्दहिया' पाठ के लेखक का नाम -------- है।

(A) भीष्म साहनी (B) भगवती प्रसाद द्विवेदी

(C) माधवराव सप्रे (D) तुलसीराम

8) अभयसिंह -------- के सेनापति थे।

(A) मेवाड़ (B) बूँदी

(C) चित्तौड़ (D) जयपुर

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पच्चीस-तीस पंक्तियों में लिखिए : **[10]**

9) मकदूम बख्श के किन गुणों और किन दुर्गुणों का उल्लेख किया गया है?

अथवा

चंदा एक कर्तव्यनिष्ठ, स्वाभिमानी महिला है — स्पष्ट कीजिए।

10) हल्कू के माध्यम से भारतीय किसान की दयनीय दशा का वर्णन कीजिए।

अथवा

तिलोनिया गाँव का वर्णन कीजिए।

निम्नलिखित गद्यांशों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए : **[6]**

11) ''स्त्री के बिना सूना संसार है। शिक्षा-रहित स्त्री के बिना संसार भयानक जंगल है।''

12) 'हाथ पर हाथ धरकर बैठे रहना मनुष्य के देहधर्म के विरुद्ध है।'

विभाग - ब

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक वाक्य में लिखिए : **[3]**

13) आदमी को भूखा-प्यासा सोने के लिए कौन मजबूर कर देता है?

14) कैसा आदमी बहुत बोलता है?

15) सारी सिद्धियाँ कैसे प्राप्त की जा सकती हैं?

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्यों में लिखिए : **[4]**

16) ग्रामवधुओं ने सीता से क्या प्रश्न किया?

17) प्रकृति अपने यौवन का शृंगार किससे करती है?

■ **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर बीस-पच्चीस पंक्तियों में लिखिए :** **[10]**

18) कवित्त के आधार पर वसंत ऋतु की अनन्य शोभा का वर्णन कीजिए।

अथवा

'बोवै पेड़ बबूल का, अंब कहाँ तै खाइ।' पंक्ति का विचार विस्तार कीजिए।

19) ''आदमी को लीलती हैं खाने।'' शीर्षक की सार्थकता समझाइए।

अथवा

सतपुड़ा के जंगलों का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

■ **निम्नलिखित पद्यांश की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए :** **[8]**

20) बनो संसृति के मूल रहस्य,
तुम्हीं से फैलेगी यह बेल,
विश्व भर सौरभ से भर जाय,
सुमन के खेलो सुन्दर खेल।

21) चूल्हों के पास पारिवारिक अंधकार में
बिखरे हैं तुम्हारे लाचार शब्द
अकाल में बटोरे गये दानों जैसे शब्द।

■ **निम्नलिखित शब्दों का सन्धि-विच्छेद कीजिए :** [2]

22) सप्तर्षि

23) प्रत्यक्ष

■ **निम्नलिखित शब्दों का सविग्रह समास का नाम लिखिए :** [2]

24) शिक्षारहित

25) सद्‌गुण

■ **निम्नलिखित कहावतों का अर्थ लिखिए :** [2]

26) तिल को ताड़ और राई को पहाड़ बनाना।

27) आम खाने से मतलब पेड़ गिनने से नहीं।

■ **निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए :** [4]

28) दाँत पीसना

29) कलेजा फटना

विभाग - स

■ **सूचना के अनुसार उत्तर लिखिए :**

30) भक्तिकाल के कृष्णभक्ति काव्यधारा की सामान्य प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए। [4]

31) प्रयोगवादी काव्यधारा की प्रमुख प्रवृत्तियाँ लिखिए। [3]

32) स्वातंत्र्योत्तर युग में हुए निबंध के क्रमिक विकास पर प्रकाश डालिए। [3]

■ **निम्नलिखित संचार माध्यमों का संक्षिप्त परिचय दीजिए :** [6]

33) रेडियो की विशिष्टताएँ।

34) टेलीविजन का उद्‌भव और विकास।

■ **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :** [2]

35) ए एस पी किसे कहते हैं?

36) ई-कॉमर्स को समझाइए।

■ **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :** [2]

37) फ्लैश बैक किसे कहते हैं?

38) फ़ेड आउट किसे कहते हैं?

विभाग - द

निम्नलिखित विषय पर लगभग 300 शब्दों में निबन्ध लिखिए : **[10]**

39) आदर्श विद्यार्थी

अथवा

आतंकवाद की समस्या

अथवा

विज्ञान की उपयोगिता

अथवा

किसी प्रवास का वर्णन

निम्नलिखित गद्यांश का एक तिहाई भाग में सारांश लिखकर उचित शीर्षक दीजिए : **[5]**

40) मानव जाति को अन्य जीवधारियों से अलग करके महत्त्व प्रदान करने वाला एकमात्र गुरु है, वह है उसकी 'विचारशक्ति'। मनुष्य के पास बुद्धि है, विवेक है, तर्कशक्ति है, अर्थात् उसके पास विचारों की अमूल्य पूँजी है। अपने सद्विचारों की नींव पर ही आज मानव ने अपनी श्रेष्ठता की स्थापना की है और मानव सभ्यता का विशाल महल खड़ा किया है। मानव बुद्धि जब सद्भावों से प्रेरित होकर कल्याणकारी योजनाओं में प्रवृत्त रहती है तो उसकी सदाशयता का कोई अंत नहीं होता। किन्तु जब वहाँ कुविचार अपना घर बना लेते हैं, तो उसकी पाशविक प्रवृत्तियाँ उस पर हावी हो उठती हैं। हिंसा और पापाचार का दानवी साम्राज्य इस बात का द्योतक है कि मानव की विचारशक्ति, जो उसे पशु बनने से रोकती है, उसका साथ देती है।

निम्नलिखित अपठित काव्यांश का भावार्थ लिखिए : **[5]**

41) नव कुसुम का रथ सजा है,
कलि कुसुम से पथ सजा है,
बादलों से अनुचरों ने स्वर्ण की पोशाक धारी!
आ रही रवि की सवारी!
विहग बंदी और चारण,
गा रहे हैं कीर्ति गायन,
छोड़कर मैदान भागी तारकों की फौज सारी!
आ रही रवि की सवारी!
चाहता, उछलूँ विजय कह,
पर ठिठकता देखकर यह,
रात का राजा खड़ा है राह में बनकर भिखारी!
आ रही रवि की सवारी!

◆◆◆